Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to help the depositors of Punjab and Maharashtra Cooperation Bank.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : अध्यक्ष महोदय, पंजाब और महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक के जो हजारों डिपॉजिटर्स हैं, मैं आपके माध्यम से आदरणीय वित्त मंत्री जी के समक्ष उनको संरक्षण देने की मांग कर रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, पंजाब और महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक की स्थापना 13 फरवरी, 1984 यानी 38 वर्ष पहले हुई थी । हजारों लोगों की लगभग 11,61,734 करोड़ रुपये की राशि इस बैंक में डिपॉजिट है । देश के जो टॉप 10 को-ऑपरेटिव बैंक्स थे, उसमें पंजाब और महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक आता था । वह वर्ष 2000 में शेड्यूल बैंक बन गया था, लेकिन दुर्भाग्य से कई लोगों के स्कैम के कारण 5,000 करोड़ रुपये की राशि हड़प करने का काम किया गया है । वर्ष 2019 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस बैंक के ऊपर कंट्रोल किया है ।

मुंबई के एक विधायक रविंद्र वायकर हैं, उनके पास सभी डिपॉजिटर्स गए थे । वे सारे के सारे डिपॉजिटर्स सैलरी डिपॉजिटर्स थे । उन्होंने अपनी पूरी जमापूंजी गंवा दी, तब हमारे माननीय विधायक रविंद्र वायकर जी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, आदरणीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी और लगभग 16 जगहों पर पिछले दो वर्षों से पत्र लिख रहे हैं, उनसे विनती कर रहे हैं । वे उन डिपॉजिटर्स को संरक्षण देने की मांग कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से यह प्रार्थना करता हूं कि पंजाब और महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक के जो डूबे हुए डिपॉजिटर्स हैं, उनके हक का संरक्षण करें, उनकी रक्षा करें।